GGD OPD FACTS 198 राजस्थान के नवीनतम पदाधिकारी

मुख्यमंत्री	श्री भजन लाल शर्मा (26 वें) व्यक्तिगत रूप से (14 वें)
उपमुख्यमंत्री	1. दीया कुमारी 2. श्री प्रेमचंद बैरवा
मुख्य सचिव	श्री सुधांश पंत (45 वें)
विधानसभा अध्यक्ष	श्री वासुदेव देवनानी
विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष	श्री टीकाराम जूली (अलवर ग्रामीण)
राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक	श्री जोगेश्वर गर्ग (जालोर)
राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश	एम. एम. श्रीवास्तव (43 वें)
राजस्थान विधानसभा में गृह समिति के सभापति	पुष्पेन्द्र सिंह (बाली)
16 वीं विधानसभा के लिए प्रोटेम स्पीकर	श्री कालीचरण सर्राफ
राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष	श्री गोविंद सिंह डोटासरा
राजस्थान के महाधिवक्ता	श्री आर.के. अग्रवाल
भारत के मुख्य सूचना आयुक्त	हीरालाल सामरिया (डीग)

भारत सरकार के द्वारा 16 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में राजस्थान के भीलवाड़ा निवासी अरविंद पनगड़िया को नियुक्त किया

GGD OPD FACTS 199 राष्ट्रीय मतदाता दिवस

राष्ट्रीय मतदाता दिवस	25 जनवरी	भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त	श्री राजीव कुमार
प्रथम बार मनाया	25 जनवरी 2011	भारत के चुनाव आयोग का मुख्यालय	नई दिल्ली

25 जनवरी 1950 को भारत के चुनाव आयोग की स्थापना हुई थी इसी कारण वर्ष 2011 से तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल 25 जनवरी को भारत का राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने की शुरुआत की थी।

25 जनवरी 2024 को 14 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस है।

थीम (2024) -

वोटिंग जैसा कुछ नही, मैं निश्चित रूप से वोट करता हूँ (Nothing like voting, I vote fore sure)

राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य -

लोगों को अपने मतदान के प्रति जागरूक करना और निष्पक्ष होकर मतदान करने के लिए प्रेरित करना।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि होगी केन्द्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुनलाल मेघवाल सम्मानित अतिथि होगें।

25 जनवरी 2024 को भारत का चुनाव आयोग की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होगें। इस अवसर पर 2024 के संसदीय चुनाव के आलोक में "समावेशी चुनाव" थीम पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया जाएगा।

GGD OPD FACTS 200 — 75 वां गणतंत्र दिवस 2024

- ★ भारत में पहली बार गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1950 को मनाया गया था
- ★ 26 नवम्बर 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाया गया था।
- ★ 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान लागू हुआ।
- ★ गणतंत्र दिवस समारोह राजधानी नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित होता है।
- ★ गणतंत्र दिवस 2024 के मुख्य अतिथि इमैनुएल मैक्रों (फ्रांस के राष्ट्रपति)
- ★ थीम "विकसित भारत" और " भारत - लोकतंत्र की मातृका"
- ★ गणतंत्र दिवस पर भारत का ध्वजारोहण राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है व राज्यों में राज्यपाल ध्वजारोहण करते है।
- ★ गणतंत्र दिवस परेड कर्तव्य पथ से लाल किला तक होती है।
- ★ भारतीय संविधान में गणतंत्रात्मक व्यवस्था फ्रांस से ली गई है।
- ★ राष्ट्रीय झण्डा दिवस - 22 जुलाई
- ★ संविधान दिवस - 26 नवम्बर

GGD OPD FACTS 201 — पद्मश्री पुरस्कार

जानकीलाल भाण्ड

इन्हें कला के क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।
इनका संबंध बहरुपिया (स्वांग) कला से है। .
यह भीलवाड़ा जिलें के निवासी है।
जानकीलाल भांड मंकी मैन के नाम से भी प्रसिद्ध है।

लक्ष्मण भट्ट तैलंग (जयपुर)

इन्हें ध्रुपद गायक (कला क्षेत्र) के क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।
लक्ष्मण भट्ट तैलंग की पुत्री मधु भट्ट तैलंग राजस्थान की एकमात्र ध्रुपद गायिका है।
इन्हें भी पद्मश्री पुरस्कार मिल चुका है।

राजस्थान के 5 व्यक्तियों को 4 पद्मश्री अवार्ड

2024 के लिए कुल 132 पद्म पुरस्कार
पदम विभूषण-5
पद्म भूषण-17
पदमश्री-110

डॉ. माया टण्डन (जयपुर)

इन्हें समाजसेवा के क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।
जेके लोन अस्पताल की पूर्व अधीक्षक, वर्तमान में सहायता संस्था की अध्यक्ष है।
रिटायर होने के बाद सड़क हादसों में घायल लोगो की जान बचाने में लगी हुई है।

अली मोहम्मद व गनी मोहम्मद - बीकानेर

इन्हें कला क्षेत्र में पद्मश्री दिया जाएगा। इनका संबंध मांड गायन शैली से है।
इन्हें राजस्थान सरकार द्वारा कलाश्री सम्मान व राजस्थान संगीत नाटक अकादमी द्वारा लता मंगेशकर सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

GGD OPD FACTS 202 सामान्य शब्दावली

क्रं.सं.	पशु	वयस्क नर	वयस्क मादा	समागम क्रिया	प्रसव क्रिया	समूह	नवजात
1.	गौवंश (Cattle)	सांड/बैल (Bull)	गाय (Cow)	सर्विंग (Serving)	काल्विंग (Calving)	हर्ड (Herd)	बछड़ा/बछड़ी (Calf)
2.	भैंस (Buffalo)	भैंसा (Buffalo-bull)	भैंस (She-Buffalo)	सर्विंग (Serving)	काल्विंग (Calving)	हर्ड (Heard)	पाड़ा/पाड़ी (Buffalo-Calf)
3.	भेड़ (Ovine)	रेम (Ram)	ईव (Ewe)	टप्पिंग (Tupping)	लेम्बिंग (Lambing)	फ्लाक (Flock)	मेमना (Lamb)
4.	बकरी (Caprine)	बक (Buck)	डोए (Doe)	सर्विंग (Serving)	किडिंग (Kiding)	ट्रीप (Trip)	किड (Kid)
5.	मुर्गी (Poultry)	कॉक (Cock)	हेन (Hen)	कॉपुलेशन (Copulation)	हेचिंग (Hatching)	फ्लाक (Flock)	चिक (Chick)
6.	ऊँट (Camel)	मैया/ऊँट (Maiya)	सेंड (Sand)	लखाना (Lakhana)		टोला (Tola)	

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 203 रम्मत लोकनाट्य

- उद्भव - जैसलमेर
- शाब्दिक अर्थ - रमने वाला (खेलने वाला)
- रम्मत खेलने वालों को **खेलार** कहा जाता है।
- रम्मत - **पौराणिक एवं ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित काव्य रचना से अभिनीत** किया जाने वाला लोकनाट्य है।
- **बीकानेर की रम्मत** सर्वाधिक लोकप्रिय है।
- रम्मत लोक नाट्य का प्रदर्शन **होली** के दौरान होता है।
- बीकानेर का **आचार्यों का चौक** रम्मतों के लिए प्रसिद्ध है।
- बीकानेर शहर **पाटा संस्कृति** के लिए प्रसिद्ध है।

☆ **प्रमुख कलाकार** - ' फागू महाराज, तुलसीराम, मनराम व्यास, सुआ महाराज, तेज कवि, गंगादास सेवग

☆ 'हेडाऊ की रम्मत' जो आदर्श पति - पत्नि पर आधारित सर्वाधिक लोकप्रिय रम्मत है। इसके **प्रवर्तक जवाहर लाल पुरोहित** है। यह बीकानेर की प्रसिद्ध है।

☆ **जैसलमेर के तेज कवि** ने 'श्री कृष्णा कंपनी' नाम से जैसलमेर में रम्मत का अखाड़ा शुरु किया था तथा 1943 ई. में इन्होनें **गांधी जी को 'स्वतंत्र बावनी' नामक रचना** भेंट की थी।

GGD OPD FACTS 204

महात्मा गांधी पुण्यतिथि विशेष

गांधी जी की मृत्यु - 30 जनवरी 1948
स्मारक - नई दिल्ली

- ☞ महात्मा गांधी **द. अफ्रिका से भारत लौटे - 9 जनवरी 1915**
- ☞ गांधी जी के **राजनीतिक गुरु - गोपाल कृष्ण गोखले**
- ☞ गांधी जी के **आध्यात्मिक गुरु - महादेव गोविन्द रानाडे**
- ☞ 1906 ई. में **पहली बार सत्याग्रह का प्रयोग दक्षिण अफ्रिका** में किया।
- ☞ 1915 ई. में अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे **'सत्याग्रह आश्रम'** की स्थापना।
- ☞ भारत में गांधी जी का **प्रथम सत्याग्रह चम्पारण सत्याग्रह** था।
- ☞ रौलेट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह करने हेतु फरवरी 1919 में **सत्याग्रह सभा की स्थापना।**

☞ गांधी जी की साहित्यिक रूचि:

हिन्द स्वराज -	1909 - गुजराती भाषा
हरिजन	1933 (साप्ताहिक पत्रिका)
यंग इण्डिया	1919-1932 (साप्ताहिक पत्रिका)
आत्मकथा -	'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रूथ (सत्य के साथ मेरे प्रयोग) गुजराती

☞ गांधी जी को दी गई उपाधियाँ

राष्ट्रपिता	सुभाष चन्द्र बोस
महात्मा	रविन्द्र नाथ टैगोर
बापू	जवाहर लाल नेहरू
वन मैन बाउण्ड्री फोर्स	माउंट बेटन
प्रोफेशनल लीडर	रोमा रोलां

- ☞ गांधी जी ने असहयोग आन्दोलन के दौरान **कैसर-ए-हिन्द** की उपाधि तथा **जूलू व बोअर युद्ध पदक** वापस अंग्रेजों को लौटा दिया।
- ☞ 12 मार्च 1930 ई. को गांधी जी ने **दाण्डी यात्रा** की शुरुआत की। ☞ गांधी जी ने **'करो या मरो'** का नारा दिया था। ☞ गांधी जी की **हत्या नाथूराम गोडसे** ने की
- ☞ सितम्बर 1932 में गांधी जी ने **हरिजन सेवक संघ** की स्थापना की तथा जनवरी 1933 ई. में गांधी जी ने **हरिजन नामक साप्ताहिक पत्रिका** का प्रकाशन शुरु किया।

GGD OPD FACTS 205

साहित्य

पाबू जी से संबंधित साहित्य

पाबू प्रकाश	- आशिया मोड़जी
पाबू जी रा छंद	- बीठू मेहाजी
पाबू जी री बात	- लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत
पाबू जी रा रूपक	- मोती सर बगतावर
पाबू जी रा दोहा	- लघराज
पाबू जी सोरठा	- रामनाथ

हम्मीर से संबंधित ग्रंथ

हम्मीर महाकाव्य	- नयनचंद्र सूरी
हम्मीर रासो	- जोधराज
हम्मीर बंधन	- अमृत कैलाश
हम्मीर हठ	- चन्द्रशेखर
हम्मीरायण	- भण्डाउ व्यास

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 206

भारत में भेड़ों को चार भागों में बांटा गया है।

क्षेत्र	वितरण	नस्लें
उत्तरी समशीतोष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र	कश्मीर से उत्तरांचल का पहाड़ी भाग	गद्दी, भाकरवाह, गुरेज, रामपुर, बुशायर
पश्चिम शुष्क क्षेत्र	राजस्थान, हरियाणा, गुजरात के शुष्क क्षेत्र	चोकला, पुंगल, मगरा, जैसलमेरी, मारवाड़ी मालपुरा,सोनाडी, अविवस्त्र, अविकालीन
दक्षिण पठारी क्षेत्र	विन्ध्याचल पहाड़ी से नीलगिरी पर्वत का क्षेत्र	डेक्कन, हसन, कोयम्बटूर, नीलगिरी, माण्ड्या नेल्लोर,बैल्लारी, ट्रिची ब्लेक, रायनन्द
पूर्वी क्षेत्र की नस्ले	बिहार	छोटा नागपुरी, शाहबादी

GGD OPD FACTS 207

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP)

- पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में पानी के बंटवारे को लेकर **राजस्थान व मध्यप्रदेश के मध्य 28 जनवरी 2024 को MOU**
- इसके तहत राजस्थान व मध्य प्रदेश दोनो राज्यों के **26 जिलों को सिंचाई व पेयजल** की सुविधा उपलब्ध होगी।
- राजस्थान के **13 जिलों झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर, दौसा, अलवर, जयपुर, अजमेर और टोंक जिलों** में पेयजल की आपूर्ति होगी
- राजस्थान के **2 लाख 80 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई** के लिए पानी की उपलबधता होगी।
- 13 दिसम्बर 2022 को केन्द्र सरकार ने **पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक प्रोजेक्ट** को ERCP के साथ एकीकृत करने वाली **लिंक परियोजना** का अनुमोदन हुआ।
- ERCP में शामिल **मुख्य बांध: रामगढ़ बैराज, महलपुर बैराज, नवनैरा बैराज, मेज बैराज, राठौड़ बैराज, डूंगरी बांध रामगढ़ बैराज से डूंगरी बांध तक फीडर तंत्र, ईसरदा बांध**
- इस परियोजना के तहत **मध्य प्रदेश में 7 बांध** बनाए जाएंगे।
- **राजस्थान के मुख्यमंत्री** - श्री भजनलाल शर्मा
- **मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री** - श्री मोहन यादव

GGD OPD FACTS 208

दादू पंथ

प्रवर्तक - दादू दयाल जी
प्रधान पीठ - नरायणा (जयपुर ग्रामीण)
सत्संग स्थल - अलख दरीबा
अभिवादन शब्द - सत्यराम

दादू सम्प्रदाय के पंच तीर्थ

1. नरायणा
2. आमेर
3. सांभर
4. भैराना
5. कल्याणपुर

दादू सम्प्रदाय की शाखाएं

1. खालसा
2. विरक्त
3. उत्तरादे/स्थानधारी
4. खाकी
5. नागा

- दादू दयाल जी ने **1574 ई.** में सांभर में दादू सम्प्रदाय की स्थापना की।
- स्थापना के समय **ब्रह्म सम्प्रदाय** बाद में परब्रह्म सम्प्रदाय नाम था जो बाद में दादू पंथ कहलाया

थम्ब - आश्रम

GGD OPD FACTS 209

दादू दयाल जी

जन्म - 1544 ई (फाल्गुन शुक्ल अष्टमी) अहमदाबाद में
प्रथम उपदेश - सांभर में (1568 ई. में)
गुरु - वृद्धानंद जी
पुत्र - मिस्किन दास व गरीब दास

मोतीलाल मेनारिया ने दादू दयाल को 'राजस्थान का कबीर' कहा

उपदेश की भाषा - सधुक्कड़ी/ढूंढाड़ी
ग्रंथ - दादूवाणी कायाबेली

- दादू दयाल ने **नि:पंख आंदोलन** चलाया।
- दादू दयाल जी ने 1585 ई. में **अकबर से फतेहपुर सीकरी** के इबादत खाने में मुलाकात की। वे यहाँ 40 दिन तक रुके।
- दादू जी के कुल **152 शिष्य** थे, जिनमें से 52 प्रमुख शिष्य थे उन्हें **बावन स्तम्भ** कहते थे।
- **प्रमुख शिष्य** : सुन्दर दास जी, रज्जब जी, बखना जी, मिस्किन दास, बालिंद जी गरीब दास जी, माधोदास आदि।
- **दादू खोल** : नारायणा में भैराणा पहाड़ी की गुफा, जहां दादू जी ने समाधि ली।
- **निर्वाण** : 1603 ई. (ज्येष्ठ कृष्णा अष्टमी)
- **मेला** : फाल्गुन शुक्ल अष्टमी

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 210

प्रमुख संत लोकदेवता व उनके बचपन का नाम

संत	बचपन का नाम
जाम्भोजी	धनराज
चरणदास जी	रणजीत
संत हरिदास जी	हरिसिंह सांखला
संत रामचरण जी	रामकिशन
संत पीपा	प्रताप सिंह खीची
मीरा बाई	पेमल

संत	बचपन का नाम
बालनंदाचार्य	बलवंत
आचार्य महाप्रज्ञ	नथमल चौरड़िया (मूल नाम)
आचार्य महाश्रमण	मोहन दुगड़ (मूल नाम) मुदित मुनि (दीक्षा के समय)
तल्लीनाथ जी	गांगदेव राठौड़
देवनारायण जी	उदयसिंह
वीर कल्ला जी राठौड़	केसर सिंह

GGD OPD FACTS 211

खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2024

- **आयोजन** - 19 जनवरी से 31 जनवरी 2024
- **आयोजन स्थल** - तमिलनाडू (चेन्नई, त्रिची, मदुरै, कोयंबटूर)
- **संस्करण** - 6 वां
- **शुभंकर** - वीरा मंगाई (रानी वेलू नचियार)
- **कुल खेलो का आयोजन** - 26
- **उद्घाटनकर्त्ता** - भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी
- **टाइटल स्पॉन्सर** - SPORTS FOR ALL (SFA)
- **सर्वाधिक पदक विजेता** - महाराष्ट्र (57 स्वर्ण, 48 रजत व 53 कांस्य पदक के साथ कुल 158 पदक)
- 6 वें खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में **राजस्थान ने 13 स्वर्ण, 17 रजत व 17 कांस्य पदक** के साथ कुल 47 पदक जीते।
- 6 वें खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में राजस्थान का पदक तालिका में **5 वां स्थान** रहा।
- 6 वें खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में **उदयपुर की तैराक युग चेलानी** ने 4 स्वर्ण व 1 रजत पदक के साथ कुल 5 पदक जीते।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 212 — चरणदास जी

प्रवर्तक
चरणदास जी

जन्म
1703 ई., डेहरा (अलवर)
भाद्रपद शुक्ल तृतीया

बचपन का नाम
रणजीत

गुरू (शुकदेव मुनि से दीक्षा लेकर अपना नाम चरणदास रखा)
शुकदेव मुनि

प्रधान पीठ
दिल्ली

राजस्थान में पीठ
डेहरा (अलवर)

- इस सम्प्रदाय में कुल **42 नियम** है।
- इस सम्प्रदाय के संत **पीले वस्त्र** पहनते है।
- माघ शुक्ल पंचमी **(बसंत पंचमी) को डेहरा (अलवर) में** मेला
- चरणदास जी ने नादिरशाह के आक्रमण की **भविष्यवाणी** की थी।
- **चरणदास जी के ग्रंथ** : ब्रह्म ज्ञान सागर, ब्रह्म चरित्र, भक्ति सागर, ज्ञान स्वरोदय, धर्म जहाज वर्णन, अष्टांग योग वर्णन, पंचोपनिषद, नासकेत लीला।
- चरणदास जी के **52 शिष्य** थे।
- चरणदास जी के दो प्रमुख **शिष्याएं दयाबाई व सहजोबाई** थी।
- दयाबाई ने **'दयाबोध' व 'विनय मलिका'** नामक ग्रंथों की रचना की।
- सहजो बाई ने **'सहज प्रकाश', 'सात वार निर्णय', 'सोलह तिथि'** ग्रंथों की रचनाा की।

GGD OPD FACTS 213 — श्री मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव

मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय

निवासी - बिलासपुर, छत्तीसगढ़
42वें मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय
नियुक्ति - 2 फरवरी 2024 by राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू
(**नियुक्ति का प्रावधान** - अनुच्छेद 217 (1))- राष्ट्रपति हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा
शपथ - 6 फरवरी 2024 by राज्यपाल श्री कलराज मिश्र (शपथ - **अनुच्छेद 219,** प्रारूप तीसरी अनुसूची)
राज्य के **चार बार कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश** बने (कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश - **अनुच्छेद** 223)
पहली बार : 7 मार्च 2022 - 21 जून 2022 (अकील कुरैशी के रिटायर के बाद)
दूसरी बार : 1 अगस्त 2022 - 14 अक्टूबर 2022 (संभाजी शिवाजी शिंदे के रिटायर के बाद)
तीसरी बार : 6 फरवरी 2023 - 29 मई 2023 (पंकज मित्तल - सुप्रीम कोर्ट में तबादले के बाद)
चौथी बार : 9 नवंबर 2023 - 6 फरवरी 2024 (ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह के सुप्रीम कोर्ट में तबादले के बाद)

GGD OPD FACTS 214 — रामानुज सम्प्रदाय

संस्थापक - रामानुजाचार्य
गुरु - यमुनाचार्य
जन्म - तिरुपति नगर, आंध्र प्रदेश
उपास्य देव - भगवान राम
ग्रन्थ - श्रीभाष्य (ब्रह्मसूत्र पर आधारित)
उपनाम - रामावत सम्प्रदाय/रामानंदी सम्प्रदाय
राजस्थान शाखाएँ - गलता (जयपुर), रेवासा (सीकर)

गलता (जयपुर)

कृष्णदास पयोहारी द्वारा स्थापित
उत्तर तोत्ताद्री/गालव तीर्थ/मंकी वैली
योगी चतुरनाथ को **शास्त्रार्थ** में पराजित किया
गुरु - रामानंद

रेवासा (सीकर)

अग्रदास द्वारा स्थापित
राम की **भक्ति माधुर्य भाव** से रसिक सम्प्रदाय कहलाया
राम-सीता को **राधा-कृष्ण** की तरह पूजा।
गुरु - कृष्णदास पयोहारी

GGD OPD FACTS 215 — भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न

कर्पूरी ठाकुर

बिहार निवासी कर्पूरी ठाकुर को **जननायक** के नाम से जाना जाता था।
यह बिहार के **दो बार मुख्यमंत्री** रहे।
प्रथम बार - 22 दिसम्बर 1970 से 2 जून 1971
दूसरी बार - 24 जून 1977 से 21 अप्रैल 1979 तक

लाल कृष्ण आडवाणी

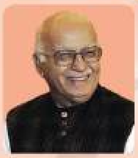

1986 से 1991 तक **भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष**
यह **तीन बार** भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रह चुके है।
चार बार राज्यसभा सांसद व **पांच बार लोक सभा** सांसद रह चुके है।
1999 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में **केन्द्रिय गृहमंत्री**
व 29 जून 2002 को **उपप्रधानमंत्री** बने।

चौधरी चरण सिंह

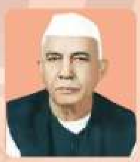

3 अप्रैल 1967 से 17 अप्रैल 1968 तक **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री** बने (प्रथम बार)
फरवरी 1970 में उत्तरप्रदेश के **दूसरी बार मुख्यमंत्री** बने
1979 में वित्त मंत्री व उप प्रधानमंत्री के रूप में **नाबार्ड** की स्थापना की।
28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक **भारत के प्रधानमंत्री** बने।

पी.वी. नरसिम्हा राव

1971 से 1973 तक **आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री**
20 जून 1991 से 16 मई 1996 तक **भारत के प्रधानमंत्री** रहे।
बाबरी मस्जिद विध्वंश के समय प्रधानमंत्री यही थे।
भारत में **आर्थिक सुधारों के प्रणेता** कहे जाते हैं।

एम.एस. स्वामीनाथन ' तमिलनाडु

इन्हे **हरित क्रांति का जनक** माना जाता है।
1971 ई. में **पद्म भूषण** पुरस्कार मिला।
1967 ई. में **पद्म श्री** व 1989 ई. में **पद्म विभूषण पुरस्कार** मिला।

शुरुआत: 2 जनवरी 1954 से तत्कालीन राष्ट्पति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने की थी।
प्रतीक: पीपल के पत्ते पर सूर्य की छवि के साथ देवनागरी लिपी में 'भारत रत्न' लिखा हुआ।
2024 में कुल 5 लोगों की भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 216

विभिन्न पालतू पशुओं में गुणसूत्रों की संख्या

जानवर	गुणसूत्रों की संख्या
सूअर	38
खरगोश	44
दलदलीय भैंस	48
नदी/जलीय भैंस	50
भेड़	54

जानवर	गुणसूत्रों की संख्या
गाय, बकरी	60
गधा	62
खच्चर	63
घोड़ा	64
ऊंट	74
पोल्ट्री	78

GGD OPD FACTS 217

श्रीराम-जानकी औद्योगिक क्षेत्र

कुंज - बिहारीपुरा	जयपुर	जटलाव	सवाई माधोपुर
सत्तासर	बीकानेर	रामसर	बाड़मेर
बलरिया	सवाई माधोपुर	राजास	नागौर

प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना के प्रथम चरण में शामिल जिले -

1. **जयपुर** 2. **जोधपुर** 3. **सीकर**

बजट 2024-25 में जयपुर, बीकानेर, भरतपुर व उदयपुर में **'अटल इनोवेशन स्टूडियो'** एवं **'एक्सेलरेटर्स'** की स्थापना की घोषणा

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 218 राजस्थान में हुए प्रमुख युद्धाभ्यास

सदा तनसीक प्रथम संस्करण
भारत व सऊदी अरब के मध्य
29 जनवरी से 10 फरवरी 2024
महाजन फील्ड फायरिंग रेंज बीकानेर

डेजर्ट साइक्लोन 2024
भारत व UAE के मध्य
2 जनवरी से 15 जनवरी 2024
महाजन फील्ड फायर रेंज बीकानेर

ऑपरेशन सर्द हवा
BSF
19 जनवरी से 31 जनवरी 2024
जैसलमेर

वायुशक्ति 2024
भारतीय वायुसेना
17 फरवरी 2024 से शुरू होगा
एयर-टू-ग्राउण्ड रेंज पोकरण (जैसलमेर)

GGD OPD FACTS 219 प्रमुख अभियान

सुरक्षित स्कूल सुरक्षित अभियान

प्रथम चरण	-	26 अगस्त 2023
द्वितीय चरण	-	28 अक्टूबर 2023
तृतीय चरण	-	03 फरवरी 2024

ऑपरेशन पुकार - बीकानेर
माँ के बेहतर पोषण की व्यवस्था, बच्चे के स्वास्थ्य की देखभाल, जीवन में स्वस्थ रहने की कला अर्थात महिलाओं को बेहतर जीवन प्रदान करने के लिए अभियान

टिफिन विद दीदी कार्यक्रम
शुरुआत - 18 जनवरी 2024 को कोटा से

ऑपरेशन स्माइल
ट्रांसजेण्डर्स को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा प्रत्येक माह की 10 से 12 तारीख तक यह अभियान चलाया जाएगा।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान
30 जनवरी से 13 फरवरी 2024
जयपुर का नवाचार

GGD OPD FACTS 220 — देवनारायण जी

जन्म - 1243 ई. (माघ शुक्ल सप्तमी)
पिता - सवाई भोज
माता - सेडू खटाणी

पत्नी - पीपलदे
बचपन नाम - उदयसिंह
उपनाम - विष्णु का अवतार, आयुर्वेद के ज्ञाता

घोड़ा - लीलागर
मुख्य मंदिर - गोठा दड़ावता (आसींद, भीलवाड़ा)
मेला - भाद्रपद शुक्ल सप्तमी

- ☆ मूर्ति की जगह **ईंटों की पूजा** की जाती है।
- ☆ नीम की **पत्तियों का प्रसाद** चढ़ाया जाता है।
- ☆ देवनारायण जी की **पैनोरमा मालासेरी डूंगरी (आसींद) भीलवाड़ा**

अन्य पूजा स्थल :-

1. **देवधाम जोधपुरिया**
2. **देवमाली (ब्यावर)** - देवनारायण जी यहाँ देह त्यागी।
3. **देव डूंगरी (चित्तौड़)** - यहां मंदिर का निर्माण राणा सांगा ने करवाया था।

देवनारायण जी की फड़

- ☆ देवनारायण जी की **फड़ का वाचन गुर्जर भोपों द्वारा 'जंतर' वाद्य यंत्र** द्वारा
- ☆ यह राजस्थान की **सबसे पुरानी व सबसे लम्बी फड़** है।
- ☆ भारतीय डाक विभाग द्वारा **2 सितम्बर 1992 ई.** को देवनारायण जी की फड़ पर **5 रु. का डाक टिकट** जारी किया।

GGD OPD FACTS 221 — घोड़े की नस्लें PART-1

- ☆ **वैज्ञानिक नाम** इक्वस केबेलस
- ☆ **पंजीकृत नस्लें** 07 (NBAGR के अनुसार) कठियावाडी, मारवाड़ी, मणिपुरी, भूटीया, झंसकारी, कच्छी - सिंधी, स्फीती
- ☆ **संघ** - कोर्डेटा ☆ **कुल** - इक्विड़ी ☆ **गुणसुत्र** - 66
- ☆ **राजस्थान में पाई जाने वाली नस्लें** - मारवाड़ी, कच्छी-सिंधी व कठियावाडी

मारवाड़ी

- ☆ **उत्पत्ति** - मारवाड़ क्षेत्र
- ☆ **वितरण** - जोधपुर व आसपास, पाली, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, जालौर, सांचौर सहित सम्पूर्ण राजस्थान
- ☆ **विशेषताएँ**
  - ☛ रंग - बादामी, लाल-भूरा
  - ☛ नियंत्रित चाल व शांत स्वभाव
  - ☛ कान छोटे व आपस में मिले हुए
  - ☛ वातावरण के प्रति सहनशील
- ☆ **उपयोगिता** - सवारी व परिवहन हेतु उपयुक्त, घुड़दौड़ हेतु उपयुक्त

काठियावाड़ी

- ☆ **उत्पत्ति** - काठियावाड़ (गुजरात)
- ☆ **वितरण** - जामनगर, भावनगर, जूनागढ़ (राजस्थान में जालौर, सांचौर)
- ☆ **विशेषताएँ**
  - ☛ भारत में घोड़ो की सर्वश्रेष्ठ नस्ल
  - ☛ ताकतवर नस्ल (चाल के लिये प्रसिद्ध)
  - ☛ दौड़ में उपयुक्त (भारवाहक)
  - ☛ इसमें Hock हंसियानुमा होता है।
  - ☛ रंग - बादामी, स्लेटी व धुंधला - काला

GGD OPD FACTS 222

घोड़े की नस्लें PART-2

कच्छी-सिंधी

उपनाम रेगिस्तानी घोड़ा
उत्पत्ति गुजरात व राजस्थान
वितरण राजस्थान का पाकिस्तान से सटा क्षेत्र
रंग भूरा
विशेषताएँ रेवाल चाल हेतु प्रसिद्ध

मणिपुरी

उत्पत्ति - मणिपुर
विशेषताएँ - बुद्धिमान नस्ल
रेसिंग, पोलो व सेना में उपयोगी
कान बादाम के आकार के

मालाणी

उत्पत्ति - गुड़ामालाणी (बाड़मेर)
सिंधी व अरबी नस्ल के संकरण से उत्पन्न **चतुर व चालाक** नस्ल
सर्कस व कलाबाजी में उपयोगी
ऊँचा कद व लम्बी गर्दन

झंसकारी - उत्पत्ति - लेह व लद्दाख
स्पीति - उत्पत्ति - हिमाचल प्रदेश
भुटिया - उत्पत्ति - सिक्किम, दार्जिलिंग (प.बंगाल)

GGD OPD FACTS 223

गोविंद गिरी

जन्म - **20 दिसम्बर**, 1858 बांसिया (बेड़सा गांव) डूंगरपुर
जाति - बंजारा
गुरु - साधु राजगिरी
धूणी - बेड़सा गांव, डूंगरपुर

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

सम्प सभा की स्थापना 1883 ई. को
सम्प सभा का प्रथम अधिवेशन 1903 ई. मानगढ़ पहाड़ी (गुजरात) आश्विन शुक्ल पूर्णिमा को

- ✓ आश्विन शुक्ल पूर्णिमा को **मानगढ़ पहाड़ी** पर प्रतिवर्ष सम्पसभा का आयोजन होता था।
- ✓ गोविंद गिरी ने **1911 ई. में भगत पंथ** प्रारंभ किया।
- ✓ 1931 ई. में **कम्बोई (गुजरात)** में गोविंद गिरी की मृत्यु हो गई।

FACTS 224 उस्ता कला

- **ऊंट की खाल पर** सुनहरी नक्काशी करने की कला उस्ता कला कहलाती है।
- इस कला को **मुन्नवती कला** भी कहा जाता है।
- मुनव्वती कला का **उद्गम पर्शिया (ईरान)** में हुआ।
- यह कला राजस्थान के **बीकानेर की प्रसिद्ध** है।
- बीकानेर के शासक **रायसिंह व अनूपसिंह** लाहौर से उस्ता कला कलाकारों को बीकानेर लाये
- बीकानेर का **कैमल हाईड ट्रेनिंग सेन्टर** उस्ता कला का प्रशिक्षण संस्थान है इस संस्थान के **प्रथम निदेशक हिसामुद्दीन** उस्तां थे।
- **उस्ता कला के जादूगर** - हिसामुद्दीन उस्ता
- **कैमल हाईड ट्रेनिंग सेन्टर की स्थापना** - 15 अगस्त 1975
- **प्रमुख उस्ता कलाकार** - हिसामुद्दीन उस्ता, रुकनुद्दीन उस्ता, मोहम्मद हनीफ उस्ता, इलाही बख्श उस्ता, कादर बख्श उस्ता
- अगस्त 2023 में बीकानेर की **उस्ता कला को GI टैग** दिया गया।
- उस्ता कला को सर्वप्रथम **प्रसिद्धी दिलाने वाले कलाकार** - कादर बख्श उस्तां
- मोहम्मद हनीफ उस्ता ने अजमेर में ख्वाजा साहब की **दरगाह में स्वर्ण नक्काशी** का कार्य किया।
- हिसामुद्दीन उस्तां को 31 मार्च 1986 को **पद्मश्री से अलंकृत** किया गया।

राजस्थानी भाषा

FACTS 225

- **राजस्थानी भाषा दिवस** - 21 फरवरी
  (21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है)
- **राजस्थान की राजभाषा** - हिंदी
- **राजस्थान की मातृभाषा** - राजस्थानी
- **राजस्थानी भाषा की लिपि** - महाजनी/बनियावली
- **राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति** - शौर सेनी प्राकृत की गुर्जरी अपभ्रंश से
- **राजस्थानी का क्रमिक विकास** - शोरशैनी प्राकृत गुर्जरी अपभ्रंश - राजस्थानी
- **राजस्थानी भाषा की शैलियां** - डिंगल व पिंगल
- **राजस्थानी भाषा का स्वर्णकाल** - 1650-1850 ई.
- **क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान की सबसे बड़ी बोली**- मारवाड़ी
- **सर्वाधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली बोली** - ढूंढाड़ी
- मारवाड़ी/मरुभाषा के लिये सर्वप्रथम 'राजस्थानी भाषा' शब्द का प्रयोग **जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने 1912 में किया -पुस्तक - लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ़ इंडिया**
- जनगणना **2011 के अनुसार राजस्थानी की 71 बोलियाँ** है जबकि जनगणना रिपोर्ट 1961 तक राजस्थानी की 13 बोलियाँ थी
- **राजस्थान में प्रथम भाषा सर्वेक्षक** - जॉर्ज मैकलिस्टर

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

राजस्थान के प्रमुख हस्तशिल्पी

GGD OPD FACTS 226

कलाकार	संबंधित कला
1. महेश राजसोनी, नाथूजी सोनी (प्रतापगढ़)	- थेवा कला
2. कृपालसिंह शेखावत (मऊ गाँव नीम का थाना)	- ब्ल्यू पॉटरी
3. कुदरत सिंह (जयपुर)	- मीनाकारी
4. मोहम्मद यासीन छींपा (बालोतरा)	- कटारछींट की छपाई
5. डूँगरी जी भाटी (जैसलमेर)	- ऊँट श्रृंगार कला
6. श्रीलाल व शान्ति लाल जोशी (शाहपुरा)	- फड़ चित्रण
7. तैयब खान (जोधपुर)	- बंधेज कला
8. लालसिंह भाटी (जोधपुर)	- चमड़े पर सुनहरी नक्काशी
9. मोहम्मद खलील (जोधपुर)	- जूतियाँ बनाने का
10. नरोत्तम नारायण शर्मा (नाथद्वारा राजसमंद)	- पिछवाईयों के चित्रण हेतु प्रसिद्ध
11. मोहन कुमार व खेमराज (मोलेला-राजसमंद)	- टेराकोटा
12. प्रभात जी सुथार (बस्सी-चित्तौड़गढ़)	- काष्ठ कला

GGD OPD FACTS 227

ब्ल्यू पॉटरी

- **पॉटरी** - चीनी मिट्टी के बर्तनों पर की जाने वाली आकर्षक चित्रकारी पॉटरी कहलाती है।
- **उद्गम** - पर्शिया (ईरान)
- **ब्ल्यू पॉटरी** - चीनी मिट्टी के बर्तनों पर नीले रंग की चित्रकारी ब्ल्यू पॉटरी कहलाती है।
- **शुरूआत** - 19 वीं सदी में
- **प्राचीन नाम** - कामचीनी

- ब्ल्यू पॉटरी **जयपुर की प्रसिद्ध** है।
- राजस्थान में इस कला को सबसे पहले लाने का श्रेय **आमेर के राजा मानसिंह** को जाता है।
- राजस्थान में ब्ल्यू पॉटरी का **सर्वाधिक विकास राजा रामसिंह** के काल में हुआ था।
- ब्ल्यू पॉटरी पर 2009 में व लोगो पर 2018 में **GI टैग** मिल चुका है।
- **प्रसिद्ध कलाकार** ' कृपाल सिंह शेखावत, नाथी बाई, नरोत्तम जांगीड़, अनिल दोराया, दुर्गेश दोराया, कालूराम, चूड़ामणि कुम्हार, व गोपाल सैनी
- **श्री कृपाल सिंह शेखावत** को 1974 में **पद्मश्री** व 2000 में शिल्प गुरु सम्मान मिला। इन्होंने इस कला को अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्रदान की।
- **ब्ल्यू पॉटरी मिश्रण** - हरा कांच, क्वार्टज पाउडर, मुल्तानी मिट्टी, गोंद, सोडियम कार्बोनेट

A UNIT OF M.R.C. GROUP च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 228 मरू महोत्सव 2024

- **आयोजन** - 22 फरवरी से 24 फरवरी 2024
- **आयोजन स्थल** - जैसलमेर
- **थीम** - Back to the Desert
- **मिस्टर डेजर्ट/मरूश्री** - डॉ. श्रीकांत व्यास (बीकानेर)
- **मिस मूमल** - पारूल विजय (बीकानेर)
- **मिस्टर पोकरण** - अभिषेक छंगाणी (फलौदी)
- **मिस पोकरण** - अंतिमा खत्री (पोकरण)
- **मिसेज जैसलमेर** - मरुधर कंवर (जयपुर)
- **नोट** - डॉ. श्रींकात व्यास ने 2024 का मिस्टर बीकाणा का खिताब भी जीता था।
- मिस्टर बीकाणा का **खिताब ऊंट महोत्सव में** दिया जाता है।
- मरु महोत्सव 2024 के अन्तर्गत आई लव जैसलमेर के द्वारा देशी व विदेशी मेहमानों के लिए **"डाईन विद जैसलमेर"** का आयोजन किया।

फड़ चित्रंण PART-1

GGD OPD FACTS 229

- **कपड़े या कैनवास पर** मिट्टी के रंगो की सहायता से की जाने वाली चित्रकारी या पटचित्रण फड़ कहलाता है।
- **शाहपुरा की फड़** प्रसिद्ध है।
- फड़वाचन का कार्य **भोपों द्वारा** किया जाता है।
- फड़ में **देवी-देवताओं की जीवनी** को भोपों द्वारा वांचा जाता है। इसमें **रंगों का प्रतीकात्मक प्रयोग** भावों की अभिव्यक्ति में सहायक है।

देवता	- लाल रंग	**साधू**	- सफेद/पीला रंग
देवियां	- नीला रंग	**शौर्य व वीरता प्रतीक**	- सिंदूरी व लाल रंग
राक्षस	- काला रंग		

- **प्रमुख कलाकार** : श्रीलाल जोशी, शांतिलाल जोशी, प्रदीप मुखर्जी, पार्वती जोशी, गोतला देवी, सूरजमल, पतासी देवी, रामचन्द्र जोशी, चौथमल आदि।
- श्रीलाल जोशी ने मेघराज मुकुल की **पुस्तक 'सेनाणी'** पर फड़ बनाई थी। इन्हें 2006 में पद्म श्री पुरस्कार दिया गया।
- **पार्वती जोशी** प्रथम महिला चित्रकार थी।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

फड़ चित्रांण PART-2

GGD OPD FACTS 230

- **देवनारायण जी की फड़** - देवनारायण जी की फड़ का वाचन गुर्जर भोपों द्वारा जंतर वाद्य यंत्र के साथ किया जाता है।
- यह राजस्थान की **सबसे पुरानी व सबसे लम्बी फड़** है।
- देवनारायण जी की फड़ पर 2 सितम्बर 1992 को **डाक टिकट जारी** किया गया।
- **सर्वाधिक चित्रांकन** वाली फड़ है।

☆ **पाबू जी की फड़** - राजस्थान की सबसे लोकप्रिय व सबसे कम चित्रांकन वाली फड़ है।
वाचन - नायक जाति के भोपों द्वारा वाद्य यंत्र - रावण हत्था

☆ **रामदेव जी की फड़**
वाचन - कामड़ जाति के भोपों द्वारा वाद्य यंत्र - रावण हत्था प्रमुख कलाकार - चौथमल जोशी

☆ **रामदला कृष्णदला की फड़**
वाचन - भाट जाति के भोपों द्वारा दिन में इसमें वाद्य यंत्र का प्रयोग नहीं किया जाता है।

☆ **भैंसासुर की फड़** का मौन वाचन होता है।

☆ **अमिताभ बच्चन की फड़** का चित्रांकन पतासी देवी व रामलाल द्वारा किया गया।

GGD OPD FACTS 231 मोतीलाल तेजावत

- **जन्म** - 8 जुलाई 1887 कोल्यारी गांव (उदयपुर)
- **परिवार** - ओसवाल (जैन)
- **उपनाम** - मेवाड़ का गांधी, बावजी, आदिवासियों के मसीहा
- **पिता** - नन्दलाल
- **माता** - केसर बाई
- **पत्नी** - लहर बाई

☆ मोतीलाल तेजावत द्वारा चलाये गए आन्दोलन को **एकी आन्दोलन** के नाम से जाना जाता है।

☆ एकी आन्दोलन की **शुरुआत 1921 ई.** में मातृकुण्डिया (राश्मी, चितौड़) से वैशाख पूर्णिमा को की।

☆ गतिविधियों का मुख्य केन्द्र - **झाड़ोल**

☆ हाकिम और हुक्म नही - **तेजावत के नेतृत्व में** दिया गया नारा

☆ मेवाड़ पुकार - **तेजावत द्वारा** भीलों के हितार्थ 21 सूत्रीय मांग पत्र महाराणा के समक्ष प्रस्तुत किया जिसे मेवाड़ पुकार कहा जाता है।

☆ 21 में से 18 मांगें मान ली गई लेकिन वन सम्पदा, बैठ-बैगार व सुअरों से संबंधित मांगे अस्वीकार की गई

☆ वनवासी सेवा संघ - स्थापना - 1936 ई. में मोतीलाल तेजावत द्वारा उदयपुर में

☆ **मृत्यु** - 1963 ई.

GGD OPD FACTS 232

सामान्य अवलोकन PART-1 वर्तमान राजस्थान

- ☆ राजस्थान की राजधानी — जयपुर
- ☆ जिले — 50
- ☆ उपखंड (सितम्बर, 2023 में) — 325
- ☆ तहसीलें (सितम्बर, 2023) — 410
- ☆ कुल पटवार मंडल — 11963
- ☆ पंचायत समितियाँ (जिलों के पुनर्गठन से पूर्व) — 355
- ☆ ग्राम पंचायतें (जिलों के पुनर्गठन से पूर्व) — 11266
- ☆ नगर निकाय (मार्च, 2023 में) (जिलों के पुनर्गठन से पूर्व) — 241
- ☆ नगर पालिकाएँ (मार्च, 2023 में) (जिलों के पुनर्गठन से पूर्व) — 195
- ☆ नगर परिषद् (जिलों के पुनर्गठन से पूर्व) — 36
- ☆ नगर निगम — 11
  (जयपुर, जोधपुर व कोटा में 2-2, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर, अलवर व भरतपुर में 1-1)
- ☆ विधानसभा सदस्य — 200
- ☆ राज्य से लोकसभा सदस्य — 25
- ☆ राज्यसभा सदस्य — 10
- ☆ राज्य का विधानमंडल — एक सदनात्मक

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

सामान्य अवलोकन PART-2 वर्तमान राजस्थान

GGD OPD FACTS 233

- ☆ 10 लाख से अधिक आबादी (मिलियन प्लस आबादी) वाले शहर - 3 (जयपुर, जोधपुर, कोटा)
- ☆ 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहर - 5 (क्रमश: जयपुर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर, अजमेर)
- ☆ 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहर - 30
- ☆ सर्वाधिक उपखण्डों वाला जिला - भीलवाड़ा (16)
  जिले के पुनर्गठन के बाद- - जयपुर ग्रामीण (13)
- ☆ न्यूनतम उपखण्डों वाला जिला - जैसलमेर (4)
  जिले के पुनर्गठन के बाद - - जोधपुर (2), जयपुर (3), दूदू (3)
- ☆ राज्य की सर्वाधिक तहसीलों वाला जिला - जयपुर ग्रामीण (18), उदयपुर (16)
- ☆ सबसे कम तहसीलों वाला जिला - जोधपुर (2), दूदू (3) (पूर्व में जैसलमेर 4)
- ☆ सर्वाधिक ग्राम पंचायतों वाला जिला - बाड़मेर (689) (पूर्व की स्थिति)
- ☆ सर्वाधिक गाँवों वाला जिला - श्री गंगानगर (पूर्व की स्थिति)
- ☆ ऐसे जिले जिनमें कोई ग्राम (ग्रामीण आबादी) नहीं है - जयपुर, जोधपुर
- ☆ सबसे कम गाँवों वाला जिला - सिरोही (पुनर्गठन के बाद-दूदू)

GGD OPD FACTS 234

श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना

शुरूआत - 15 दिसम्बर 2016
मुख्यमंत्री - वसुंधरा राजे
5 रु. में नाश्ता व 8 रु. में भरपेट खाना
शहरी क्षेत्र में नाम परिवर्तन - 20 अगस्त 2020
नया नाम - इन्दिरा रसोई योजना

नाम परिवर्तन - 06 जनवरी 2024
पूर्व नाम - इन्दिरा रसोई योजना
शुरूआत - 10 सितम्बर 2023
नोट : **ग्रामीण क्षेत्रों में इंदिरा रसोई योजना का नाम परिवर्तित करके श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना रखा**

अन्नपूर्णा रसोई योजना

थाली की लागत - 30 रु.
सरकारी अनुदान - 22 रु.
लाभार्थी का अंशदान - 8 रु.
मेन्यु - 300 ग्राम चपाती, 100 ग्राम दाल, 100 ग्राम सब्जी, 100 ग्राम चावल मिलेट्स, खिचड़ी व अचार
थाली की सामग्री का कुल वजन - 600 ग्राम
संकल्पना - लक्ष्य अन्त्योदय-प्रण अन्त्योदय-पथ अन्त्योदय

इन्दिरा रसोई योजना

थाली की लागत - 25 रु.
सरकारी अनुदान - 17 रु.
लाभार्थी का अंशदान - 8 रु.
मैन्यू - 250 ग्राम चपाती, 100 ग्राम दाल, 100 ग्राम सब्जी
थाली की सामग्री का कुल वजन - 450 ग्राम
संकल्पना - कोई भूखा न सोए

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 235

यूनेस्को विश्व विरासत सूची में शामिल दुर्ग

चित्तौड़ दुर्ग

निर्माण - चित्रांगद मौर्य
उपनाम - राजस्थान का गौरव, दुर्गों का सिरमौर
पठार - मेसा पठार

कुम्भलगढ़ दुर्ग

स्थिति - राजसमंद निर्माण - अशोक के पौत्र संप्रति
पुनर्निर्माण - राणा कुम्भा
उपनाम - कुम्भलमेरू, मछेन्द्रपुर, मेवाड़ की शरणस्थली, मेवाड़ की संकटकालीन राजधानी

21 जून 2013 को राजस्थान के 6 दुर्गों को यूनेस्को की विश्व विरासत स्थलों में शामिल किया गया।

गागरोन दुर्ग (झालावाड़)

निर्माण - डोड (परमार) राजपूतों द्वारा
उपनाम - गर्गराटपुर, डोडगढ़, धूलरगढ़, मुस्तफाबाद,
पहाड़ी - मुकुन्दरा
नदियां - कालीसिंध व आहू के संगम स्थल पर

जैसलमेर दुर्ग

निर्माण - राव जैसल ने (12 जुलाई 1155)
निर्माण पूर्ण - शालीवाहन द्वितीय ने
उपनाम - गोरहरागढ़, स्वर्णगिरी, सोनारगढ़, उत्तर भड़ किवाड़
पहाड़ी - त्रिकुट पहाड़ी

आमेर दुर्ग, जयपुर

निर्माण - दुल्हेराय द्वारा
पुनर्निर्माण - मानसिंह प्रथम द्वारा
पहाड़ी - कालीखोह पहाड़ी

रणथम्भौर दुर्ग-सवाई माधोपुर

निर्माण - रणथनदेव द्वारा

FACTS 236 राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना (NLCP)

शुरुआत - 2001

उद्देश्य - शहरी व अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में प्रदुषित व अवक्रमित झील का संरक्षण व प्रबंधन

विभाग - पर्यावरण और वन मंत्रालय

केन्द्र - राज्य भागीदारी - 70:30 (शुरुआत में)

1 अप्रैल 2016 के बाद **केन्द्र राज्य अनुपात - 60:40**

राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम में **राजस्थान की 6 झीलें**

फतेह सागर झील	उदयपुर	**पुष्कर झील**	अजमेर
पिछोला झील	उदयपुर	**मानसागर झील**	जयपुर
आना सागर झील	अजमेर	**नक्की झील**	माउण्ट आबू (सिरोही)

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

FACTS 237

- **स्थित** - जाडन (पाली)
- **शिलान्यास** - 23 जनवरी 1995
- **लोकार्पण** - **19 फरवरी 2024** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा
- **शिखर की ऊँचाई** - 135 फीट
- **मंदिर की पूर्व से पश्चिम लम्बाई** - 185 मीटर
- **मंदिर की उत्तर से दक्षिण लम्बाई** - 252 मीटर
- इस मंदिर का **निर्माण भारतीय नागर शैली** में किया गया है। व गुलाबी पत्थर से बना है।
- यह मंदिर लगभग **250 एकड़ क्षेत्रफल** में फैला हुआ है।
- **ईमारत** - 4 मंजिला ☆ **कमरे** - 108
- यह मंदिर **चार खण्डों में** बंटा हुआ है।
- ॐ आकार के इस मंदिर में **12 ज्योतिर्लिंग स्वरूप भगवान शिव का मंदिर** है।
- इस मंदिर में **भगवान शिव की 1008 प्रतिमाएं** लगी हुई है।
  गर्भगृह में भगवान शिव की 108 प्रतिमाएं लगी हुई है।
- यह **विश्व का एकमात्र** ॐ आकृति का शिव मंदिर है।
- यहाँ **श्री माधवानंद योगा विश्वविद्यालय** भी स्थापित किया गया।
- मंदिर के बीच में **स्वामी माधवानंद की समाधि** स्थल है।